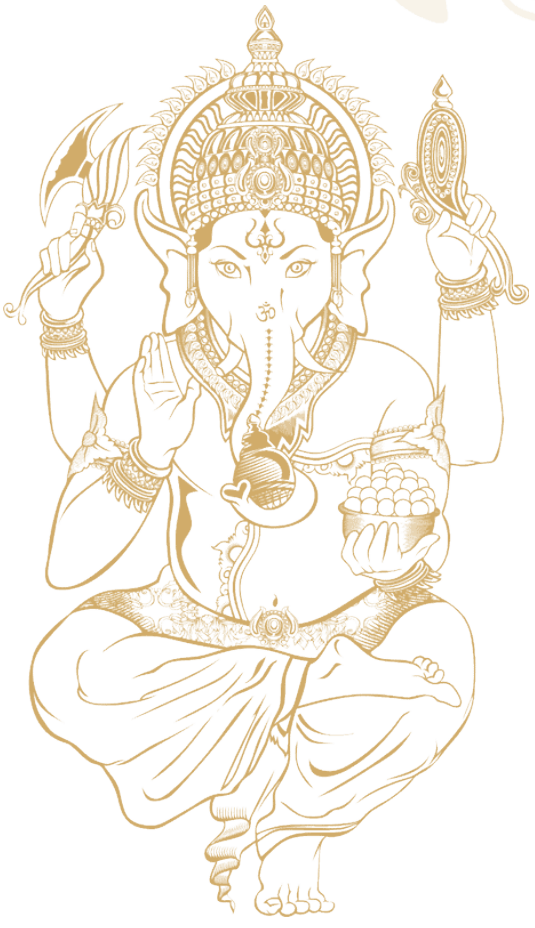

HARSH RAJ

Shakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121292702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1998	जन्म तिथि	16-17/02/2001
मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 07:10:00	जन्म समय	00:55:00 घंटे
घटी 03:21:11	जन्म समय(घटी)	46:25:05 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Ranchi
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	23:22:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:31	सूर्योदय	06:20:57
18:00:35	सूर्यास्त	17:44:49
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:07

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 4मा 24दि		04:38:32	मेष	लग्न	वृश्चि	11:47:45	बुध 8वर्ष 6मा 11दि	
राहु		09:23:09	मीन	सूर्य	कुंभ	04:19:19	शुक्र	
16/08/2012		13:28:04	मक	चंद्र	वृश्चि	23:18:33	29/08/2016	
17/08/2030		21:05:06	मीन	मंगल	वृश्चि	07:09:41	29/08/2036	
राहु	29/04/2015	26:45:42	मीन	बुध व	मक	26:12:49	शुक्र	30/12/2019
गुरु	22/09/2017	17:32:02	कुंभ	गुरु	वृष	08:09:47	सूर्य	29/12/2020
शनि	29/07/2020	22:57:50	मक	शुक्र	मीन	16:45:19	चन्द्र	30/08/2022
बुध	15/02/2023	26:57:17	मीन	शनि	वृष	00:40:35	मंगल	30/10/2023
केतु	05/03/2024	16:34:20	सिंह	राहु	मिथु	20:51:53	राहु	30/10/2026
शुक्र	05/03/2027	16:34:20	कुंभ	केतु	धनु	20:51:53	गुरु	30/06/2029
सूर्य	28/01/2028	17:43:47	मक	हर्ष	मक	27:22:17	शनि	29/08/2032
चन्द्र	29/07/2029	07:52:08	मक	नेप	मक	13:11:55	बुध	30/06/2035
मंगल	17/08/2030	14:11:10	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:10:06	केतु	29/08/2036

लग्न-चलित

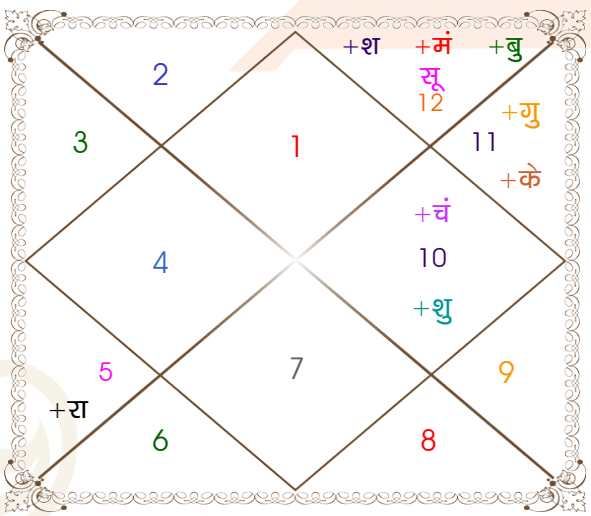

लग्न-चलित

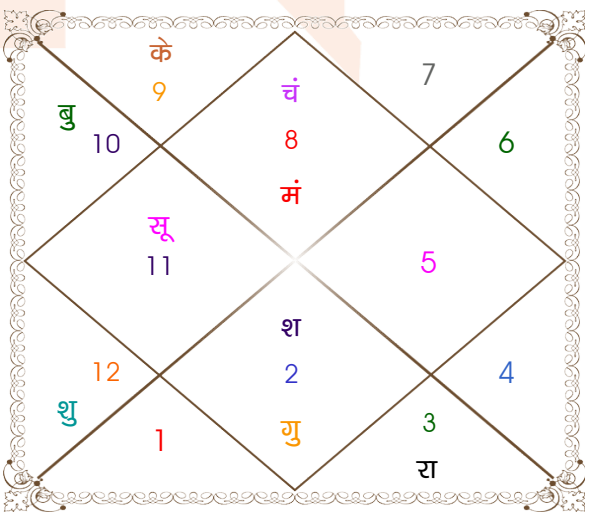

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भ ।ैत्भ ट ।श्र का वर्ग मार्जार है तथा Shakshi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ ।ैत्भ ट ।श्र और Shakshi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

भ ।ैत्भ ट ।श्र मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Shakshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shakshi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Shakshi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भ ।ैत्भ ट ।श्र तथा Shakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।